राजनीतिक

● क्या मोदी-शाह अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ का फैसला करेंगे?

अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राम मंदिर ट्रस्ट के नए सीईओ का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह करेंगे, न कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। देखते हैं आगे क्या होता है। दान के दुरुपयोग और ट्रस्ट से सामान की चोरी की खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया है, जिसके चलते सरकार ट्रस्ट के लिए एक सीईओ (सेवानिवृत्त या सेवारत अधिकारी) की नियुक्ति पर विचार कर रही है।

● क्या किसी मंत्री को जाने के लिए कहा गया है?

कार्यकुशलता बढ़ाने और ध्यान केंद्रित रखने के लिए एक कड़े संदेश के रूप में, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कथित तौर पर एक केंद्रीय मंत्री के निजी कार्यालय (पीएसओ) में फेरबदल करने का निर्देश दिया है। यह कदम केंद्रीय मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल से पहले उठाया गया है।

● क्या भाजपा और आरएसएस अयोध्या श्री राम मंदिर ट्रस्ट पर शिकंजा कसने के लिए फिर से एकजुट होंगे?

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष अधिकारियों के साथ मिलकर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। यह कदम मंदिर के दान में कथित गबन की गहन वित्तीय जांच से उपजे राजनीतिक विवाद के बाद उठाया गया है। राज्य द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आरोपों के सामने आने के बाद अपनी जांच का दायरा बदलकर एक पूर्ण वित्तीय फोरेंसिक ऑडिट में बदल दिया है। जांचकर्ता पिछले दो वर्षों में तीर्थयात्रियों की संख्या और छह वर्षों में जमा हुई धनराशि का विश्लेषण कर रहे हैं ताकि व्यवस्थित रूप से नकदी के गबन का पता लगाया जा सके। एसआईटी ने पहले ही ट्रस्ट के उच्च पदस्थ पदाधिकारियों से पूछताछ कर ली है। बढ़ते दबाव के बीच, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने कथित तौर पर अपने इस्तीफे दे दिए हैं। आरएसएस ने सार्वजनिक रूप से अपनी चुप्पी तोड़ी है और उसके महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने जनता का विश्वास बहाल करने के लिए 'कड़ी सजा' की मांग की है। महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले प्रतिष्ठा को हुए नुकसान को लेकर चिंतित आरएसएस-भाजपा गठबंधन से उम्मीद की जा रही है कि वह ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे में पूरी तरह से बदलाव लाने और कठोर आंतरिक वित्तीय निगरानी स्थापित करने के लिए निर्णायक और व्यापक कदम उठाएगा।

प्रशासनिक

● क्या तमिलनाडु के मुख्य सचिव को कार्यकाल विस्तार मिलने की संभावना है?

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को छह महीने का सेवा विस्तार मिलने के बाद, यह माना जा रहा है कि तमिलनाडु के मुख्य सचिव डॉ. एम. साई कुमार को भी 1 सितंबर से शुरू होने वाले छह महीने का सेवा विस्तार मिलेगा। वे तमिलनाडु कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

● जगन्नाथ नायक ने डीजीएमएसएस का पदभार संभाला

प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. जगन्नाथ नायक ने 1 जुलाई, 2026 से डीआरडीओ के मिसाइल और सामरिक प्रणाली महानिदेशक (डीजीएमएसएस) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

● क्या राजस्थान में नौकरशाही अपने अब तक के सबसे कठिन इम्तिहान की ओर बढ़ रही है?

अगर सरकारी सूत्रों की मानें तो आने वाले दिनों में राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था को सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरना पड़ सकता है। इस बात के बढ़ते संकेत मिल रहे हैं कि केंद्र सरकार राज्य में महत्वपूर्ण फैसलों और नौकरशाही कामकाज की कड़ी निगरानी करने वाली है, खासकर प्रशासनिक तालमेल और नीतिगत क्रियान्वयन को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच। सूत्रों के मुताबिक, आधिकारिक हलकों में दबी आवाज़ों से संकेत मिलता है कि नौकरशाही का एक हिस्सा कथित तौर पर पिछली कांग्रेस सरकार के पुराने नेताओं से करीबी संबंध बनाए हुए है। हालांकि कोई औपचारिक आरोप नहीं लगाए गए हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि इस धारणा से राज्य और केंद्र दोनों के सत्ता गलियारों में बेचैनी बढ़ रही है। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब राज्य सरकार शासन प्राथमिकताओं को फिर से निर्धारित करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर कड़ा नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास कर रही है। किसी भी तरह की असंगति केंद्रीय एजेंसियों की कड़ी निगरानी को आमंत्रित कर सकती है, जिससे कई स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। राजनीतिक संवेदनशीलता चरम पर होने के कारण, आने वाले सप्ताह न केवल नौकरशाही व्यवस्था की निष्पक्षता की परीक्षा ले सकते हैं, बल्कि बढ़ते राजनीतिक और संस्थागत दबाव के तहत राजस्थान के शासन ढांचे के लचीलेपन की भी परीक्षा ले सकते हैं।

● आईआरएस अधिकारी मॉरीशस राजस्व प्राधिकरण में शामिल होने वाले हैं

गुरकरण सिंह बैंस, जो एक आईआरएस अधिकारी हैं, मॉरीशस राजस्व प्राधिकरण, पोर्ट लुइस में सीमा शुल्क विभाग में निदेशक के पद पर तीन साल के निश्चित अवधि के प्रदर्शन अनुबंध के आधार पर कार्यभार ग्रहण करने वाले हैं। वे 2006 बैच के आईआरएस (सी एंड आईटी) अधिकारी हैं।

● एनटीपीसी के नए सीएमडी के लिए सिफारिश पीएमओ को भेजी गई?

ऐसी जानकारी मिली है कि एनटीपीसी के नए सीएमडी के लिए सिफारिश कथित तौर पर प्रधानमंत्री कार्यालय को विचार और मंजूरी के लिए भेज दी गई है।

● प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया यात्रा : मलक्का पर चीन को संकेत, ब्रह्मोस समझौता चर्चा में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 6-8 जुलाई को इंडोनेशिया और फिर अन्य देशों की यात्रा पर भारत की विदेश नीति के विशेषज्ञ बारीकी से नजर रख रहे हैं। इसे मलक्का जलडमरूमध्य विवाद को लेकर बीजिंग को दिया जाने वाला एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है, क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइल समझौते को अंतिम रूप दिए जाने या इसकी घोषणा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली की विदेश नीति के हलकों में इस यात्रा की गहन जांच हो रही है, क्योंकि मलक्का जलडमरूमध्य पर इंडोनेशिया का नियंत्रण है, जो भारत के ऊर्जा और व्यापार प्रवाह के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह दौरा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती अनिश्चितता के बीच हो रहा है, जहां भारत इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए जकार्ता के साथ समुद्री और रक्षा सहयोग को गहरा करने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और उनके इंडोनेशियाई समकक्ष के बीच वार्ता के दौरान ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सौदे पर प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है, जिस पर 2023 से ही बातचीत चल रही है और जिसका मूल्य 200-350 मिलियन डॉलर है। यदि इंडोनेशिया ब्रह्मोस सौदे को आगे बढ़ाने का निर्णय लेता है, तो वह फिलीपींस के बाद दूसरा विदेशी खरीदार बन जाएगा, जो तटीय रक्षा बैटरी हासिल करेगा। इससे जकार्ता की समुद्री प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत के रक्षा निर्यात का विस्तार होगा। मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास स्थित सबांग में रणनीतिक बंदरगाह का विकास एक प्रमुख एजेंडा बना हुआ है।

मुखर्जी ने नेहरू की तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ सत्ता की राजनीति को तिलांजलि दे दी थी : योगी आदित्यनाथ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब नेहरू सरकार की तुष्टिकरण की नीति देश की अखंडता के सामने चुनौती बनी तो मुखर्जी ने सत्ता की राजनीति को तिलांजलि दे दी। वह सरकार से अलग हो गए थे।

इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत माता के महान सपूत, महान स्वतंत्र संग्राम सेनानी, शिक्षाविद, स्वतंत्र भारत के प्रथम खाद्य उद्योग मंत्री, एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेगा का उद्घोष करने वाले डॉ. मुखर्जी की आज 125 वीं पावन जयंती है। इस अवसर पर भारत माता के इस महान सपूत की स्मृतियों को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश शासन और उप्र की जनता जनार्दन की ओर से मै विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

योगी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी 1901 में बंगाल में उनका जन्म हुआ। उच्च शिक्षा अर्जित करने के साथ ही एक प्राध्यापक के रूप में अपने जीवन की शुरुआत की। मात्र 33 वर्ष की उम्र में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। देश की आजादी के आंदोलन में प्रमुखता के साथ जुड़े। बंगाल को जब पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कुत्सित चालें चली जा रही थीं, तब उसके खिलाफ वह उठ खड़े हुए थे। आज का जो पश्चिमी बंगाल है, अगर वह भारत का हिस्सा है तो इसमें जिन महान नेताओं ने अपने आप को समर्पित कर इस आंदोलन का हिस्सा बने थे और आवाज बुलंद की थी, उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत में देश के खाद्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने खाद् नीति और उद्योग नीति को प्रमुखता के साथ लागू करने का कार्य किया। लेकिन जब नेहरू सरकार की तुष्टिकरण की नीति देश की अखंडता के सामने चुनौती बनी तो उन्होंने सत्ता की राजनीति को तिलांजलि दे दी थी। वह सरकार से अलग हो गए थे। भारतीय जनसंघ के गठन के बाद भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश की अखण्डता के लिए कार्य किया। एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे का उद्घोष करते हुए कश्मीर की परमिट प्रणाली का विरोध किया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 1953 में कश्मीर में ही उनका बलिदान होता है। डॉ. मुखर्जी ने धारा 370 के खिलाफ नेहरू सरकार की तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ जो शंखनाद किया था, उस सपने को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने साकार किया है। 2019 में कश्मीर में धारा 370 समाप्त करते हुए कश्मीर के अंदर भी भारत के कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने का कार्य किया गया। यह हम सबके लिए सौभाग्य का विषय है। आज पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। बंगाल में डॉ. मुखर्जी से जुड़े सभी स्थलों के पुनरोद्धार के लिए वहां की डबल इंजन की सरकार प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। आज हम भारत माता के इस महान सपूत की स्मृतियों को नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री कपिल देव अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत अन्य लोग उपस्थिति रहे।

डॉ. मुखर्जी का पूरा जीवन भारत की एकता के लिए समर्पित : मौर्य

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को सात कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

उप मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाला प्रेरणादायी व्यक्तित्व, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति उनका अटूट समर्पण तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए किया गया उनका संघर्ष, हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके आदर्श और विचार राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए भारत की एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया।

उनका दूरदर्शी नेतृत्व, निर्भीक व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा आज भी जनसेवा का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उनके विचार और आदर्श हमें राष्ट्र प्रथम की भावना और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाने की निरंतर प्रेरणा देते हैं। आगे लिखा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मजबूत इच्छाशक्ति से डॉ. मुखर्जी की जन्मभूमि, पश्चिम बंगाल में सुशासन का जो कमल खिला है, सही मायनों में यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।

रिमझिम फुहारों के बीच शीतला और दुलारो देवी धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में छानबे क्षेत्र के विजयपुर स्थित शीतला धाम और डेरवां बलापुर गांव के दुलारो देवी धाम में सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही रिमझिम बारिश के बीच श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए मंदिरों में पहुंचते रहे। महिलाओं ने मंदिर परिसर के आसपास चूल्हे जलाकर कढ़ाई पर पूड़ी-हलवा का प्रसाद तैयार कर देवी मां को अर्पित किया।

लोकमान्यता के अनुसार, नवविवाहित महिलाएं लाल साड़ी पहनकर माता के दरबार में पूड़ी-हलवा का प्रसाद चढ़ाती हैं और अपने पति की लंबी आयु व अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। इस दौरान सखियों के साथ मंगल गीत गाते हुए महिलाएं दोनों मंदिरों में पहुंचीं, जिससे पूरा मेला क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। करीब डेढ़ किलोमीटर तक फैले मेला क्षेत्र में सैकड़ों स्थानों पर चूल्हे जलते नजर आए, जहां श्रद्धालु प्रसाद तैयार कर रहे थे। मेले में लगी दुकानों पर भी दिनभर अच्छी खरीदारी हुई, जिससे दुकानदारों के चेहरे खिले रहे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। गैपुरा चौकी प्रभारी सुरेश दुबे पुलिस टीम के साथ लगातार मेला क्षेत्र में गश्त करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। चोर-उचक्कों और मनचलों पर भी पुलिस की विशेष नजर रही।

हालांकि, गैपुरा-विजयपुर मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बावजूद ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य बड़े वाहनों की आवाजाही से कई स्थानों पर जाम लगा। इससे दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। श्रद्धालुओं ने यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की।

राष्ट्र की एकता-अखंडता के लिए डॉ. मुखर्जी का समर्पित जीवन सदैव प्रेरणास्रोत : कपिल देव

लखनऊ। भारत माता के अमर सपूत, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के पावन अवसर पर सोमवार को लखनऊ स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति समर्पित जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के आदर्श, विचार एवं 'राष्ट्र प्रथम' की भावना आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उनका उद्घोष आज भी प्रत्येक राष्ट्रभक्त के हृदय में गूंजता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार डॉ. मुखर्जी के विचारों को आत्मसात कर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

कंटेनर की टक्कर से एक सिपाही की मौत दूसरा गंभीर घायल

कानपुर: कानपुर के बर्रा एलिवेटेड मार्ग पर सोमवार तड़के ड्यूटी के दौरान हुए सड़क हादसे में एक यातायात सिपाही और ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सिपाही का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार यातायात सिपाही जितेंद्र कुमार और राकेश कुमार की ड्यूटी नौबस्ता चौराहे पर लगी थी। देर रात झारखंड पंजीयन वाला एक खाली ट्रक नौबस्ता रैंप से पनकी स्थित संयंत्र की ओर जा रहा था। दोनों सिपाहियों ने ट्रक को रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन की गति बढ़ा दी। संदेह होने पर दोनों सिपाहियों ने ट्रक का पीछा किया और बर्रा बाईपास स्थित एक चिकित्सालय के सामने एलिवेटेड मार्ग पर उसे रुकवा लिया। दोनों सिपाही ट्रक चालक को नीचे उतारकर वाहन के दस्तावेजों की जांच कर रहे थे।

तेज रफ्तार कार खाई में गिरी, पिता की मौत, तीन मासूम सहित छह घायल

रायबरेली। जिले के ऊंचाहार क्षेत्र में सोमवार शाम लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर तेज गति से जा रही एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई। हादसे में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जबकि एक ही परिवार के छह सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में तीन मासूम बच्चे भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज गति से चल रही थी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं ज़ोएबा कुरैशी पुत्री अबरार मोहम्मद निवासी जी-2,56 रौनक अपार्टमेंट रायसेन रोड लाला लाजपत राय कॉलोनी बाग दिलकुशा भोपाल। मैंने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम ज़ोएबा अबरार पुत्री अबरार मोहम्मद निवासी जी-2,56 रौनक अपार्टमेंट, रायसेन रोड लाला लाजपत राय कॉलोनी बाग दिलकुशा भोपाल रख लिया है, भविष्य में मुझे ज़ोएबा अबरार नाम से जाना जावे।

814

CHANGE OF NAME

My old name was MANSI JAIN. Written in My old Passport. Now in present. My new & full name is now known as MANSI SARAF D/O MANOJ KUMAR JAIN. Resident Jageshwari mandir ke pass, Bilgaiyan ward, bina station, PO Bina, Sagar (MP), 470113.

(Sagar edition me lagana hai)

815

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा पूर्व में घरेलू नाम Nisha Hasir Khan था जो कि मेरे पासपोर्ट पर दर्ज है अब वर्तमान दस्तावेजों में मेरा सही नाम Nisha Khan W/O Hasir Khan निवासी- 25, नियर लिली टॉकीज़, नीलम कॉलोनी, जवावीट लाईन बरखेड़ी, जहांगीराबाद भोपाल (मध्य प्रदेश) 462008 हो गया है अब भविष्य में मुझे इसी नाम Nisha Khan से जाना व पहचाना जाए।

816

न्यायालय तहसीलदार बीना, तहसील बीना जिला-सागर (म.प्र.)
क्रमांक/108/प्रवा. तह./2026
बीना दिनांक-03/07/2026

विषय:- आम सूचना के प्रकाशन बाबत्।
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक राघवेन्द्र प्रताप सिंह पिता कुणाल सिंह चंदेल निवासी ग्राम आगासौद तहसील बीना जिला सागर के द्वारा इस न्यायालय में प्र.क्र. 0209/अ-6/2025-26 विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में भूमिस्वामी देशराज पिता कोमलसिंह निवासी ग्राम आगासौद तहसील बीना के द्वारा सर्वे नं. 796, 194, 195 रकवा 2.65, 0.26, 0.06 हे0 स्थित ग्राम बुखारा प.ह.नं.-39 तहसील बीना की भूमि की वसीयत की है एवं उनकी मृत्यु दिनांक 04.05.2024 को हो गई है। अतएव मृतक खातेदार के स्थान पर प्रश्नाधीन उपरोक्त भूमि पर आवेदक/वसीयतगृहीता के नाम नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। उक्त भूमि के वसीयत नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुनबाई दिनांक 15/07/2026 को या इसके पूर्व न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत करने पर आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। अत: आप उक्त संबंध में संलग्न आम सूचना का प्रकाशन आवेदक के व्यय पर आपके दैनिक समाचार पत्र में करने का कष्ट करें।

संलग्न:- आम सूचना का प्रारुप।

तहसीलदार,
बीना जिला सागर म.प्र.

ag

कार्यालय नगर पालिका परिषद मुलताई जिला-बैतूल म.प्र.

क्र./न.पा./नामांतरण शाखा/2026/313 **मुलताई, दिनांक 06/07/2026**

सम्पत्ति के हक हस्तान्तरण बाबत् आम सूचना

सर्वस्व धारक को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदकगणो द्वारा म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत परिषद के निम्न वर्णित सम्पत्ति को अभिलेखो में स्वयं के नाम से दर्ज करने हेतू इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

क्रं.	सम्पत्ति हस्तांतरित ग्रहणकर्ता का नाम एवं पता	सम्पत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम एवं पता	सम्पत्ति का प्रकार	सम्पत्ति का विवरण	सम्पत्ति के हक अंतरण का आधार
1	कविता पवार पति प्रकाश निवासी भगत सिंह वार्ड मुलताई	राहुल कुमार मित्तल पिता राजेंद्र कुमार निवासी बैतूल	भूखण्ड	भगत सिंह वार्ड मुलताई खसरा न. 613/1(22 बार) /4/1/1 क्षेत्रफल 689 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल
2	अनिल पिता जगन्नाथ पंडाग्रे निवसी नेहरू वार्ड मुलताई	एनु बाई पति जगन्नाथ पंडाग्रे निवासी नेहरू वार्ड मुलताई	भवन	नेहरू वार्ड मुलताई खसरा नं. 1148/40/3 क्षेत्रफल 2475 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल
3	कस्तूरी रघुवंशी पति रूपसिंह निवासी शोभापुर तह. घोड़ाडोंगरी	श्रीरामदेव बाबा वारको डेव्हलपर्स निवासी यवतमाल	भूखण्ड	भगत सिंह वार्ड मुलताई खसरा नं. 6/188 क्षेत्रफल 1378 वर्गफुट	तहसीलदार का आदेश, बही एवं खसरे की नकल
4	अश्विनी, लोकेश पिता चंद्रभान धोटे निवासी विवेकानंद वार्ड मुलताई	मोनाली, हर्षा,मोनिका पिता चंद्रभान धोटे निवासी विवेकानंद वार्ड मुलताई	भूखण्ड	अंबेडकर वार्ड मुलताई खसरा नं. 209/11 क्षेत्रफल 2350 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, वही एवं खसरे की नकल
5	गोकुल साबले पिता पंजाबराव निवासी बघोली बुंजुर्ग मुलताई	दया साबले पति पंजाबराव निवासी बघोली बुंजुर्ग मुलताई	भवन	अंबेडकर वार्ड मुलताई खसरा न. 199/6 क्षेत्रफल 1200 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल
6	सुनीता पेठे पति महेन्द्र निवासी आमला	दिनेश पवार पिता बंशीलाल निवासी नेहरू वार्ड मुलताई	भवन	नेहरू वार्ड मुलताई खसरा नं. 1226/14 क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल
7	पदमा भूमारकर पति रामप्रसाद निवासी भिलाई परमंडल मुलताई	राहुल पिता श्रीराम निवासी चौथिया, मानिक पिता साबू पवार निवासी खातेदकाला	भवन	पटेल वार्ड मुलताई खसरा न. 355/20 क्षेत्रफल 1200 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल
8	श्रीराम पिता पारन्या पवार निवासी पटेल वार्ड मुलताई	पारन्या पिता मौजी पवार निवासी पटेल वार्ड मुलताई	भवन	पटेल वार्ड मुलताई खसरा न. 619/1 क्षेत्रफल 468 वर्गफुट	पंजीकृत वसीयतनामा बही एवं खसरे की नकल
9	गौरी भुजाडे पति राकेश निवासी भगतसिंह वार्ड मुलताई	सरवन पिता माधोराव सूर्यवंशी निवासी भगतसिंह वार्ड मुलताई	भूखण्ड	भगतसिंह वार्ड मुलताई खसरा न. 36/2 (भू-अंश 5/33) क्षेत्रफल 600 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल
10	प्रेमवती रघुवंशी पति ओमकारसिंह निवासी पटेल वार्ड मुलताई	रमेश सिंह पिता बाबूसिंह रघुवंशी व अन्य 02 निवासी पटेल वार्ड मुलताई	भूखण्ड	ताप्ती वार्ड मुलताई खसरा न. 455/71 क्षेत्रफल 687 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा, बही एवं खसरे की नकल

अत: एवं उपरोक्त सम्पत्तियों के हक के अंतरण के संबंध में यदि किसी को आपत्ति या दावा हो तो वे तत्संबंध में अपनी लिखित आपत्ति या दावा समुचित दस्तावेज/साक्ष्य के साथ दिनांक 21/07/2026 तक नगरपालिका कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। विलम्ब से प्रस्तुत दावे आपत्ति पर विचार नहीं किया जा सकेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद मुलताई

आपका राशिफल 07 जूलाई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक 4 6 8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक 1 3 5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक 4 7 9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9